

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

३३३

ASHA ARCHIVES















[illegible]

लीकीलकी ॥ मममहामानी ग्यरुगसगपिणववाक्रमयम  
दगगाकिनीजाकिनीसर्वोपदवसीहानदावातयवम००००काम्य  
मिच्चर्थज्याविनिथाग॥ ००गिम्भत्वा॥ ॥ गिनमिडंवन  
नचिप्रयथनम॥ मुखं० तनरुपकृदसनम॥ हृदि० म  
हामानीमहागकिर्देवगायनम॥ गुह्यं० कालीवीजायनम॥



यादया ॥ ॐ महाकाली गकयनमः ॥ सर्व ॥ ॐ रुद्रकाली  
कीलकायनमः ॥ मममहामावीरुयगोनयकयविनियानमः ॥  
॥ ॐ निमिषादिन्यासः ॥ ॥ गगाकवषड्भुन्यासः ॥ ॐ का  
ली श्रीगुष्टायनमः ॥ ॐ महाकाली गङ्गनीर्यानमः ॥ ॐ रुद्र  
कालीमध्वमायनमः ॥ ॐ महामायादेवी तन्नामिकायनमः ॥

ॐ महादेवी कनिष्ठायानमः ॥ ॐ महाशयनिवा विनिक्कन  
सकनपृष्ठायानमः ॥ ॥ ॐ काली हृदयायनमः ॥ ॐ म  
हाकाली निवमस्वाहा ॥ ॐ रुद्रकाली निखायवषट् ॥ ॐ  
हामायादेवी कवचायई ॥ ॐ महादेवी नगयायवोषट् ॥  
ॐ महारयनिवा विनी तस्मायरुद्र ॥ ॥ ॐ रुद्रवृषस्वः ॥ ॐ ॥



ॐ ति दुर्द्धा द्वा ताल रय काटिका रिद्धा दिग्वध्वन कूर्या ७ ॥  
ताताकवक कयिकया यष्य गृहीत्वा ध्वन ७ ॥ ॥ इत्तकामा  
काटवादी ममिमलिनमुखी मूक क ही नूदनी नाईरुकाव  
दनी रुगदखिल मिर्द वा समक कवामि । इत्तार्या ध्वन  
यनी कालदनल निखासी निशाया नमूय । दने इत्तु रुल

रुं यविद्व बरु रयै पा रुमी रुदकाली ॥ ॐ ति ध्वनानामानस  
सीपूय ॥ यष्य स्वनि य सिद्धिय ७ ॥ यन ध्वनाना वादय ७ ॥  
यथा ॥ ॥ ॐ महाभा विमहाकालि रुदकालि ॐ हावद २  
ॐ रुतिव २ महामावी रुयन कि कूर २ त्रशा धिष्ठान कूर २  
ममपूजा गृहात् ॥ ॐ त्यावाय ॥ इति यव रुं थ ॥ रुति











ॐ उग्रयणीया ॥ ॐ उग्रयणी ॥ ॐ दीपाणी ॥ ॐ नी  
लाणीया ॥ ॐ घनाणीया ॥ ॐ वलाकाणी ॥ ॐ माहाणीया ॥  
ॐ मूढाणीया ॥ ॐ मिताणीया इकां पूज्यामिनः ॥ ॐ उ  
ग्रणीया इकां ॥ ॐ नावायणी ॥ ॐ माहावरीणी ॥ ॐ कोमा  
वीणी ॥ ॐ चामूढा ~~कामूढा~~ ॥ ॐ वानाहीणी ॥ ॐ नृप

नाहिनायणी ॥ ॐ नावसिंदीणी ॥ ॥ तता नृसिनांगदि  
नृष्टरनवराणीया इकां ॥ ॐ उदादिदलदिकपालयणी  
॥ वडाग्रमयणी ॥ ॐ खमयणी ॥ ॐ मूढमयणी ॥ ॐ  
वरायणी ॥ ॐ नृगयायणी ॥ ॐ पालयणी ॥ ॐ कपाला  
यणी ॥ ॥ ततावलिंदद्या ॥ नृनन ॥ ॐ दीदीदीन



अहिरुगगांजननिमहामाविमहाकालिरुद्रकालि००म्  
वर्तिनृद्रममरुतपरायिभवावद्वान्कस्यमदूतलो  
किनीजाकिनीसचायदवानमीडावयरमहामावीरयेन्म  
र्तिकूनर्मिद्धिदाहि२ हूं हूं ह्रीं ह्रीं रुद्र रुद्र श्रीमहामाय  
नमश्चिदाहा॥ लूननवर्तिदत्ता॥ रुध्रकिङ्कर्षित्वा॥

ॐ नमोऽस्तुति तस्मै कलशाय तस्या मूकदामस्य महाभावी रु  
पयणमनकामनयाः नमसाय कवटाकणवान्नीमदामाय  
महाकाल्य रुद्रकाल्य नमो वलि निवदयामि नमः ॐ ति  
ठुम्भश्च सो गीय ॥ ७ ॥ रुद्रानियानीहवर्षति रुद्रल  
वलि गृहीत्वा विधिवत्प्रयुक्ती ॥ अन्यथा वा सर्वविधकल्य



शुक्रमास्तुतान्यनमास्तुतस्य ॥ ॐ नित्यं ध्यायेत् ॥ वलिं नमस्क  
 र्य दक्षिण हस्तं गाने ध्यायेत् ॥ धूपं तु सज्जनस्य ॥ वलि विष  
 यं शुक्रं वानं मिति मखलित कलाय ॥ ध्वतत तुल मिष्टिनी ॥  
 ॥ ॐ तिष्ठि वृद्ध्या मल्ल काली खलु मद्रा मात्री सई  
 यवलि विधनं सई वृत् ॥ ॥ शुक्रं दयात् ॥ #

ॐ नमः श्री महा मात्री महा न किंद वताय ॥ ॥ ॐ नमः  
 श्री महा मायै कला गमै रस्य वन व विष्ट विः सन वृ यर्क  
 दक्षि महा मात्री महा न किंद वता काली वीर्य महा काली  
 न किः रुद्र काली की लुकी मुम महा मात्री रुद्र रुद्र पत वि  
 भाव न किनी ज किनी सवो पद व न मन का मन या पव नम



ॐ शुक्लाम्पसिद्धये जयविनियोगः ॥ ॥ शिवसिववन्द  
विष्णुवन्दनमः ॥ मरुतपकिर्कदम्बनमः ॥ हृदिमहामात्रीम्  
हालकिर्द्वगायनमः ॥ गुडु कालीवीगायनमः ॥ वादया  
महाकालीलकायनमः ॥ सर्वोद्गुरुदकालीकीलकायनमः ॥  
मममहामात्रीरुयनिवावत्तये जयविनियोगः ॥ ॥

॥ ॐ कालीश्रीगुहायानमः ॥ ॐ महालीतङ्गीर्यानमः ॥  
ॐ रुद्रकालीमध्वमायानमः ॥ ॐ महामायादेवीमूनामि  
कायानमः ॥ ॐ महादेवीकनिष्ठायानमः ॥ ॐ महारुयनि  
वाविटीकवतलपुष्टायानमः ॥ ॥ नृवीहृदयादि ॥ ॥ ॐ  
रुद्रुवस्तु ॥ ॐ ॥ निष्ठाद्विकारिद्विर्वाधनकत्वाध्याय







नाचनुमोर्ध्वीषवधु ॥ २ ॥ वक्ष्णीकमलन्द्योम्यवदनामाह  
श्वरीलीलया कोमारीविषदर्यनादनकरीवकायधार्वेध्वरी  
॥ बाबाहीघनघानघघनमूखीउन्दीचक्रजायधाम्यामूधु  
गदादेवदूधसहितानकलुमांमातव ॥ ३ ॥ वेक्ष्णीखर्दीगुका  
ठीकपिलमूखगामधुलीयघनाने रुन्दीदेखाहमांने

अजमूवसिनिव ॥ ४ ॥ लामवताकृयकृ ॥ ४ ॥ पूषुवकागवाद्यैर्य  
ममहिषमहाष्टंगमादाययाले पायान्नावन्दमान ॥ ४ ॥ पल  
मूदिनयशेवव ॥ कालवालि ॥ ४ ॥ तैलायककवलीरयूम  
यविलसकलुकाकानवधु लाहनेकनकत्वाचवदनि  
गदनमान्मन ॥ ४ ॥ याद ॥ ४ ॥ दिग्वासावासरुनधमनि



जगदिदं जातं वा कर्तुं पूर्वा. बह्वन्याह ४ पवह ४ धृज विगतं शु  
जासापिदवीयसीद ॥ ३ ॥ **दृष्टावोदमुखमिंस्वविनि**  
जगद्द्विसर्वकलाहो. त्मीसावस्यानकालनववृधिववह  
त्मीप्रवाहूमधूम. कालीकापालिनीर्त्तनवलयनवनाथा  
निनीचागमूडा. वक्राष्टदावमावीमवनाशयहवात्तलिवा

वपुघट्टा ॥ ४ ॥ **सूयामह** निकंतासूयविवदलने ४ स  
रुटानां निवारि. मालामावहृत्यद्विगतगुरुत्नगान्त्व  
नमनपविष्टा ॥ **दृष्टारुने ४ पवह ४ पृथु** जघनघनावह  
नागन्दकाक्षी. मूलासिगुग्रहसावधिवेमधूमदाहस  
नं जानिनाय ॥ १ ॥ **कर्कश** कुरुकुरुहिः पविगतपटिका



वशिष्टीष्टिकस्युदार्थं साधनालानुवाती घटितमूरवम  
यीघीटितामृष्टद्येष्टं पत्ययपाहुतास्यकसुगवदुल्लवला  
दरुचर्वाविगायाः यायाकायातिनीमः दननमथमथका  
टितायनमासा ॥ ७ ॥ कत्वा पातालमूलाक्रमकवटावटा  
कूकल्लाहाहिनीमी. मांसस्यग्रीधिवद्ध गमयवटानमली

धरामरुकव. १ कल्यणीरुदकालीयममहिषमहालिंग  
काटापहावी. यायान्नावादयनी पल्लययविनगा वद्धकी  
काववीर्ण ॥ ८ ॥ विष्टकीहावघावकालदनलनिखाहोस  
इलानसूता. सखातः यनसूतगुथितनवनिवः सर्वन  
द्विष्टहटा. सद्यः कत्वासमिष्टासूतगजदिनिजत्वकपटी







धनीयाधय्य पल यमनू सव चान्यपी ज गुरुष्व । रु  
ता यता यिमा या विषम विषधवा वृत्तिका द विदोरा । माया  
रुबीय ० नी व व नू विव विर्न तस्य सी नी रु द व्या ॥ १३ ॥ मा  
या रु हा विका य म्मु नि म द द रु नी य य ० नी रु रु रु नी । सैध  
काला त बाल व व नू विव विर्न त रु ता वि व वि रु ॥ १४ ॥

दा वि श्र वा ग म क व म व न रु य नी ना ग य र्था रु मा ता । सी रु व  
ध व य नी म म रु व नू रु य रु द द रु रु द काली ॥ १४ ॥ मा नी  
वा ग म रु वि का रु य रु नी नी त रु वा च्चा ट्ठ नी । सी सी रु ग य द  
या व रु रु वि क र्ण व रु रु सूप रु रु द । त मा या रु क म रु मि  
रु रु ल द रु रु वि रु रु धी य ० ७ ॥ १५ ॥ ॥ ॐ निधी







॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
रुजाव ॥ वासा कया मल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यावत्किं त्राह ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यायावत्स्वागतसर्गं लंखं कतिनमउव ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
कन ॥ जययावनकं कुरुं व ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३ कामाक्राधवय ॥ गथायार्द्धमिव च वनाय ॥ कमनध्वग  
चचनस्य शया ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नालाधसध ॥ दावयाय ॥ दायेन दाकेया द्याव वायके ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
लागक नास काति कति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
वयसनधीया ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
दाजसमुयानामधीय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



धयसायादं धवहिनाय सकुया दानसगाथ दहनगा  
युद्धमनन ॥१॥ नभादक धधदिल्याय सनय २  
निमिरुता कथं २ नाम अनवारु नधन्यवा उकथान्यवा  
विकश्रुतयतयाम धमकु २॥१॥ स्वस्वस्वस्वस्व  
धमकु नन रव नक्राय दानयाय धनमदयक २ विजय  
धमकु नन रव नक्राय दानयाय धनमदयक २ विजय  
शाला काविद्य काकानि ला निभा नास गति मय नरु कि

उरु नरु नरु याव जावयुगा जाल सिधियुत्र शाला ॥  
धमकु नरु याव जावयुगा जाल सिधियुत्र शाला ॥  
सकुया नाम धि धदाव धान याव धयस्य क्राय दानाव  
धय सकुया क मानन याव कन क्राय ॥१॥ न क्राय  
क्रा यययु रुनय धु निथान चिथ सकुया कृत सो  
कया दान उवाक नयाय दाना ॥१॥ नम को मो  
रयाद विविज लाध शानि लौह रुद्र स्वाहा ॥१॥ काय का



आयु वि गुरु सुरुन आव गिर्यान कथ दंड वा नन  
याय ॥ ॐ ॥ १५०० कामा कामा गाय वन २ भवत साध रुव  
निसा हा ॥ कथ या यान खा हाय य कलया उयथ १०८  
उवा न याय ॥ ॐ ॥ १५०० कुरु यो स्या हा ॥ वरु का सथा ह्य न  
धाय चान म काल क ॥ ॐ ॥ १५०० आलि न हं गा व नाय स्या  
हा ॥ स्या क ना व क सथा गन क क वा न म कान क ॥ ॐ ॥  
व क द दि हा सु थि व क सि न ख न निस्य स्व मि कि लि स

या ६ उ या क स गाय म क थ ॥ ॐ न भा रु ग व कि रु क थु न  
का कि स कि हा कि स्य स्वा यि २ स्या हा ॥ टा भ ३ उ वा न न  
याय म क ॥ ॐ ॥ चाल स या हि स चिन हाय ग क न ॥  
(अस क का व थ क य हि याय रु ना ॥ ॐ ॥ १५०० सि वि गु  
रु शो ली रु न ल रु न श्रा व यि द्य न क न द्य न श्रा व यि  
रु रु स्या हा ॥ ॐ ॥ ३ मि सा ग य ग्य न न क व स्य ॥  
॥ ॐ ॥ ॐ न भा का जा द वि धु वि न क न ली उ न न ल







स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०८ ॥ यिद्वाचकं ध  
 ॐ जितं स्व ॥ ॐ ॥ यस्यैव प्रकाशं यकावेयानामप्रदिप्यताम्  
 यिर्यालवृत्तं वा दाद ॥ अयाकृत्सायाद ॥ ॐ मन्त्रं न उच्यते  
 न नाथ वसति वि ॥ ॐ ॥ निसायां मीयां मिथिर्मणं ॥ ॐ न  
 शां न दद देकं अकामं नय स्वाहा ॥ निसानं वसयात्  
 सा तद्वृत्तिनातिनं मित्रं सयाय मित्रं यात् सा लिं गत्यता  
 निनं कव कृत् अमिसावसयाय मंग यय या वेश ना ॥ १०८ ॥

प्रचादभनयायुगिरुल, कुरुवनवृनिखी, करि, त्यस्यान  
यू, धूमिरुलनकुरु, आदित्यवानकुरु नमयाव, य  
केनवेवनायैक, असर्व्वयसे ॥ १॥ प्रको, युका, मनधि  
जितिस्यासा, रुतदे, धूमिनियाव, थवयिलनवानाव,  
विनग्नयययाव, मिसासंआगयाव, मिसानकावकम  
रुवतिथ ॥ ७ ॥ गुत्रशहं कामलूद विशायिव,  
लो, गलुदया, खदिगेनाव, एलासातिगलादात्रुविक



[illegible][illegible]



॥ (॥) मन्त्रेन, सूत्रययी, भाद, ह्याच, मिखाह्या, प्र, प्र, मिलून, नय  
युथह्या, प्र, न, ग, न, त्र, कि, सा, न, इ, न, प्र, कि, व, ला, ल, य, ॥ २५ ॥  
ॐ श्रुहवा, मा, न, द, म, ह, व, ला, उ, ह, य, न, न, ला, उ, ल, य, अ, वा  
श्र, मा, उ, ल, का, न, वा, न, ग, क, क, ला, था, ना, य, ला, उ, ल, कि, क  
वन, ए, व, वा, न, इ, ह, ला, वा, रु, कि, मा, ला, न, प्र, व, कि, य, ला, न, म  
ना, म, ट, मा, ला, ग, य, स, ग, ना, म, डा, न, ला, ग, य, क, हि, कि, श्र, ॥  
का, श्री, न, ल, सि, रु, के, न, श्र, ॥ ला, य, म, य, ॥ २६ ॥ ॐ उ, उ, दि

[illegible]



हा सि वि तु लू या ज्ञान आ गि नि वा भव ॥ धन ३ ला गि स  
 धू न न क य ल ज्ञा ॥ ॐ ॥ १ ॐ सि धू वि धा पा व म न य य ज्ञा  
 आ थ य ज्ञा वा ग य ज्ञा धी वा ग य ज्ञा ॐ सा ल म हा द व कि  
 वा व स गे उ य क भो ॥ धन १ सि धू न उ य या व क च क व स  
 ॥ २ ॥ ॐ ह भो ध न म सा ला खा यि स्थि २ मि कि मि न ल मा गी  
 मि क का व सि ति २ ग य यि २ य पु नू कि व च वा २ द १ ग य र  
 स हा न ग द १ x आ य म नि ध कि ल न ध व या य य ध न २

मि का य द म धा न व स्य ज य म य ॥ सा न १ ॥ ॐ ॥ ॐ स स ध  
 सा हा ॥ न व सा न स व का ध स म य सा हा ॥ म्र या य्या न ला ग  
 ना य सा न यू वै य न हा स ध य्या द न य ल्या य तु मा लि न म ॥ म  
 न न ॥ ॐ ॥ म स या हि न नि व रु न स गे न स र द्वा न स्व धे न न  
 स्य स ना म धा य ने द्र स ज ने का ने क भो वा म द नू भो ॥ ज न भो  
 व का ने क जा क म ज्ञा व क ग ग न हा दे न दा नु शु य रु ग  
 का स्य य थु नि न क म जा क जा व क ॥ ॐ ॥ १ ॐ न भो ४

मं चा  
 म य य  
 द य क



श्रीचं नि काय ॥ ॐ नमः ४ श्री उग्र गालाय नमः ॥ मालनं  
 गावनं उवागनं वस्य कर्म अविवाहनं विद्वेषनं ज  
 म्भनं गुरुनं भावनं यवयं न सा कर्मनं अंजनयुक्ति  
 को गुरुनो ध्यानं लेकं रुदनं मनु यवहनं कवचं  
 मनु यौगवधुनं अगहनं लाजभावनं उवगहनं  
 वां उयकालनं उदनं नयनं नायुधवयवकौ शुभमि ॥  
 ३ ॥ ॐ ॥ अथ न संयव शुभमि अर्द्धनाथो च छी कासमाने

प्रवेष्टुं समभनं यवतं गी विरुहा गमयाथ शुभं गी ग  
 थं विहाय न ॥ ७ ॥ ॥ धूमिथयस पूर्वसंवायादाव युत्र उ  
 यदं सधं जययाय एकमनया दाव रुधा दामनयाय म  
 न ४ ॥ ७ ॥ १ ॐ अर्द्धनाथो नम आगिनि विरुयिका मरु ॥  
 वि वक्रसक्तिद वि गेन सिधु न मरु कन सीसथी आगिनि यु  
 त्वा ला किं २ जगत्मा रुनि सिद्धि युत्र स्वाहा ॥ यवनं नम  
 सिधु न नै यव थमनु आयुयाव न वक्र लाजाभावनं



आ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वसिद्धिदायनि, साहाय  
 दायनि, दसदिशुव, धनयुक्तं हृद् इत्यादि ॥ धर्मकुलके  
 वचनार्थवत् ॥ ॐ कुरु मे न कुरु कथयिगमनं न  
 निरु ॥ १८ ॥ अक्षय्यद ५ धर्मकुल, आयुषाव, वरुदिग  
 संहाय, धनगरुयमदुर्भा ॥ ॐ दयया नथयान  
 यश्चिन्तयश्च सर्वदुःखमावय, सुधावरुयनासुनियुवः  
 कावर्द्धकाव, उवगर्हदकाथागीनि, ममनकुरसिद्धिनय

२६६ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ह्रीं सिक्तित्थयू ५ वतु डिगर्स कायशुभा  
धनकरुयमइशुभा न द्वा ॥ ॐ ॥ ॐ वामहनुमकु, दहिने  
मार्हाकन, काधयिक्तुका नि, का ॐ मिनि, म्रवषणि, कुतु  
यानलाथ, वक्रकयान, गुतु विन्यावन, श्राद्धाभासिद्धि  
गुतुयाव ॥ ॐ मकुन, वा, जयुयाव वतु डिगर्सहान, थ  
नरु रुयनासयायशुभा ॥ ॐ ॥ ॐ सेसमगिस्मन, व-धन  
गुतुआग्री, थनके, लाहृहृ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ हिक्तियमकु ॥ ॐ ॥







४२५

धराव, माजाकादस्यवयु ॥ ॐ ॥ सितव्यापद्रुस, ग्यय  
 चू, हिदंर, निरुनेसकयमकन, सितनगनकंर, युस  
 गयायववस, ग्यनवनायनक, कादस्यवयुवकशा ॥  
 ॥००॥ ॥ ॐ कं कनवीनयाहा, हलन, मनेच, नियात, का  
 नक, सुविवातनाशरुचुव ॥ ६ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ सुमनवतन  
 यकादिनखाहा ॥ काक, सुयाहा, काकावधमनेयुय  
 ॥ गियारुगभमय, गीयाकलवयुव ॥ ७ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दह मनु उक्तु आ ग का लि मा हा का नि  
हि म ना न वृ ह्मा वि म य क म दि का यू जि रा य हा र्द ३ ॥ म  
सा न या चा का या नु त्र यु र्य हा व द ह वि य म नु थ व लः  
१२ गु रु ॥ ७ ॥ ॐ वे ऊ आ जी नि मा न क र स्वा हा ॥ ध म नु  
न ज्ञा य या च थ व रु ल का श ला ॥ ८ ॥ क हा ल हा डा क  
न वि न स्वा ल क्ष न ए स त्या क र धू मि आ दा व ज्ञ य रु न  
धू म वि सा च या रे य ना धा त्या स्मा ल का म नु ॥ ९ ॥



ॐ वा लिथ ३६ मा लय २ मा हा जा गी नि का मा लि ति हि  
वलन का २ स्वा हा ॥ स्नान जय या न कु या न इ य थ व न  
स्नात्मान का इ या ॥ ॐ सर्व कामे व श्व क ल ए य भा  
रु य २ स्ना क र्थ य २ स्वा हा ॥ थ म रु न ग्ग ल सा ध न या दा य  
ने क ति ति व स इ या ॥ १ॐ श्री स लि जो श्री स्वा हा ॥  
स्नान जय या न कु च क ति ति व स र्क म ॥ १ॐ ल रु व

मि धान सं ध व ना नृ ध सं व नि नि व य त् स्ना व न गू वा रु क व न  
ना हा नं ति या न ग व ति ति हि ति हि य ता य थ म य या र्क ति  
नि स्म ना या र्क का म ध्या न व न यं श्री ति हि य त् स्ना हा ॥ न्म ल  
जय या न न क ति ति व श्व ॥ १ॐ ॥ न क न व मि सा या हि का  
यु मी सा या हि का य त त् थ व वि र्जु सं जा ग इ या व र्च रं म न  
च न व् नि या क्ति य् मि वि क द्ध न या स या न व या न ध न स  
या ना व म न का य क् स्त्र न रु य थ मा रु नि हा नं च क्



धनक नाग, वस्य मइव या, वस्य या यतिव, निच य ख व  
॥ ८ ॥ १६० क ना वि विकला वि, वि क ला व रुं नं श्री मा हा क  
व हि न न वं, डिं श्री वं वं मा हं मा हा न नं श्व ना य ला हा ॥ थ म  
कु य या व था ना स र्व व नि क ले या य, मा ह न श नी ॥ ७ ॥  
१६० व ज वे वा च नि थ, व व रुं वा ह य रुं श्री ला हा ॥ ना जा य  
जा मा ह व य म ल, वि का न म इ व श नी ॥ ७ ॥ १६० रू नी, क  
ग ति, ग ति, दा ध व या य, म न व, उ ति ला ग न, न या व, सा

न ध स रुं या व का न क, थ न का य क ति म ॥ ७ ॥ १६० व न व रु  
न व, म न व न या व का न क, थ न का व ना य क ॥ ७ ॥ १६० रू नी  
रु क स या ति डा, सा क थ व, ना य क्का दा व का न क, थ न का  
य क मे लु रु नी ॥ ७ ॥ १६० वा य म् रु नि, म न व, न या व का न क ना य  
कि रु नी ॥ ७ ॥ १६० व न दि ग रुं व व उ य मा न क ति भ व ति रु  
न मी द यि सा स मू ड व व, रु सी क का न, न र्थ क व रं व, ना य सा ग  
न यि, स मू व व व ॥ १६० ग रुं भा ति हि ग रुं वा य स न न का, रु







3333

ASHA ARCHIVES







॥ १५ ॥

नष्टीनाम त्रासा ॥ धर्मननुयुयं धानु इव स्व शानक धकाव  
दया नाम न इती ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ निवर्क धम धू धू नावयिर्क धः  
आहुवाहुसहि कात्याहा ॥ धूयात्र सिन प्रसनाय विन दाक्या  
॥ ॐ ॥ ॥ ॐ नभादे वाय काजयुवाज न के मोहान क स्या  
हा ॥ ॥ इ लिसवा क धूल धन य क उा चमक ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ  
नमः ॥ धीजी गोम व नाय ॥ सूर्य यास चन्द्र यास गहन न न  
का लुधू गो लमल को स ॥ अ म म याग सा सिद्धि इय व



१५५१

[illegible]



ॐ नमः श्री गुरु कृष्ण ॥ ॐ कालि २ माहा कालि कालि रुद्र क  
नि कालि कं कालि य मरु मरु सि नदिया न वा कु कथलि हा नि क  
आय मा वि रु ला मरु, आ दू थ व द्या लि ॥ थ मरु न, आ क र म  
न्य ७ ७ उ व या डा, हि यो न हा प, व छि न कू य ह व र य ना स श  
भा ८ ॥ १० ॥ ॐ श्री ह न बा य, न क र न र र द्या रु र न क भा न  
भाल नी या क व र ल उ मि क र भा रु र द्या हा ॥ स थ का याल  
ख गे न क, डा स, अ वि वाल रं न न ४ ॥ ॐ गु रू अ

ॐ सलभ्य निमहा विद्या लङ्का ठा किक न्या को मा रु साम  
 रवीश्वरी उवाहा निरायि म् भा यिया धन आव यि भा सिद्धि  
 उल्लू आरु ४॥ धन ५ ग्य सुग्ध न च कन न क न क वग्ध  
 या य सिद्धि ३॥ ४॥ ॐ ॥ १ॐ मूल क क न ध न रूट्ट सा ल  
 ॥ धन १ मि सा वा न्य म रु थ, म रु गू वि न क य क सूर्य न म  
 य क ध म रु न म धन क व ह्य या य विद्धि ॥ ॐ ॥ ॐ कि  
 च छी का वि धाने समा क ॥ १॥ १ॐ मूल क क न ध न रू



दूखाहा ॥ धन १ मितावानमकु, नृनगुनिनकयक, सुयन  
मयक, धमकुन, मधनक, दस्ययाय ॥ ॐ ॥ १२३ नमः ४ श्री  
हयग्रीहं नवाय ॥ सिद्धिकाय, विष्मनध, यथायहानयज्ञा  
दयकावे, यंचसाविवाहानदयक, उत्रसहिकनयज्ञाय  
य, विष्मनध, आर्जवदय, नि, न्या, यज्ञाय, दय  
सुजाय, यकुयनय ॥ ॥ ॥ ॥ धमयाहा कार्यया सिद्धिका  
यया नृन ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ स्वामिर्षुडयंगत्र उमस्वा, यः

कैवाशीनाम श्राद्धा ॥ धन १ सिधुवनकय, धमयया ध्रुः  
मिन्ननयानामकायावकिय, सिवनदयकयान धमकु ॥ ॥ ॥  
गहंसर्वसिद्धिमनिय ॥ विष्मनध, दस्ययाहा ॥ धन ३ कुव  
कुहचसीनक, मितावानमिदमकु थ ४ ॥ ॐ ॥ ॐ श्रीहय  
ग्रीहं नवाय, मरवावाद्यनत्रहं मरवा नृहं, वापिनामाहि,  
नाजाभाहि, यज्ञाभाहि, यहनवस्य, धनरवदभाहि, नाग  
हचनी गकिनागभाहि, सिद्धिगुत्र श्राद्धा ॥ धन १ स्वानन



बुधा बक्रु यात्र रुय, वाजाभा रु नि सि हि ४॥ १७७॥ १७७॥ गनुः  
 रि यि सा चि नि त्रे सा हा ४॥ यि सा च न य द या आ द न म नु ४॥ ७॥  
 १७७॥ यि य ना जा य ना क र्म रु य स र्व स्ना ना च कु व मि, स रु द, य  
 य न जि व न ख उ रू रू द सा हा ४॥ १७७॥ वि वा न या दा का ७ ४॥  
 ॥ ३३ ॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥  
 हा ॥ १७७॥ द हि ना व रु न वा य, या क रि नि या द च य, म नु  
 ४॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥ १७७॥

श्रीग ॥ कीन ३ आययाय लख गानक, मिहान, त्रु विवा नया  
यमदयक ॥ १० ॥ ॐ सिद्धि युत्र आह्ला हाहूं रुट्टाहा  
॥ धन ७ कथन मूनिया, श्रीगुलि ७ हावक, मन्त्र गुरु ७  
नैखन नियाव गानक, कोखन मन्त्र वचं ह्यावा, धन सन  
याव गन, धन वनसा, जाकि सियावनक, त्रु विवा नयाका,  
काथय ४॥ ११ ॥ ॐ वमन् वधन च नव न्यन, रुदय वन्य  
सिद्धि युत्र आह्ला ॥ धन ७ लख आयया वगानक, धन कान







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

सकि मायारुकी ॥ धन १ कवच मन्त्र ४॥ ॐ ॥ अथ नमः  
रुकुं रुद्रकुरुं सक्तिनु नाथ आदिनाथ युयुनाथ चोप  
गीनाथ भक्तिसक्तिमहतीत यानन काकवा ४॥ धन ३ यनद  
रुका वागयाव रुयमदयके याग बाहावा ग्व उ ५ साध  
नाचा दाव वरु दि गर्त किन शर्व रुय नातया यशुवा ४॥  
॥ ६ ॥ ॐ हूं रूं यं रुं स्वाहा ॥ धन २१ लंख ज्युया दमान  
क भवन अविवातया दानातया यशुवा ४॥ ७ ॥ ॐ नमः



[illegible][illegible]



लु (व) रु च रु छु न यु सा नु य रु ॥ धा व न द रु न व या यू य ॥ ॐ ॥  
 ॐ वु द्रा य नि य ॐ सि धि गु रू आ ह्ना का वि २ वि वि वू रू का न य  
 गी व द्रा य नि आ ह्ना सि न शु रं मा हा शु न ना स य २ रुं रु न् स्या हा  
 ॥ भा व ह्या क या (म) रु ह्या न न रु यू य धा न रे ॥ ॐ ॥ ॐ न म ४  
 मा हा इ द्मा द यी ॥ का वि रु वं नि रु द कि वि र व नि रु वं नि रु द कि  
 स्य गु रू का स कि मा ना रु कि क या रु ना म नु श्री ॐ ध व वा च ॥  
 धा न रे (म) का व रु म डि व या थ सा न म डि व या ज र व ना न क

[illegible]



नखाहा ॥ हिचियमनुध ॥ २३ ॥ ॐ नमाना वायनिध ॥ ॐ न  
वनेयक न व म्मुकि काक न्मदभाह नव द्वा ॐ ह्य नाका  
सिद्धि युत्र आहा ॥ ५३ ॥ वक्रजययाव यु विधिया य नसा  
य भावाय यथा कायाव्य रुयक ४॥ ८ ॥ ॐ नमः श्री उग्र  
त्रय ना नाथे श्री सिद्धि युत्र आहा निशीदं रं च नु का व रू  
नायक सं नाय सदान द नय क व हा द न रू रु नखाहा  
॥ ५३ ॥ १० ॥ वरवत्रययाव ना नक ५३ ॥ २ ॥ खानय्य यु वि

विनियागदुसवा द म वा वि काय या न मा मरु ना म शय  
क ॥ ६ ॥ ॐ नमः ८ ॥ नमो क ना थय मा म्मु क न्मदभाह ॥ याखा  
यासा रुय काया व का ग यि चि दा व सु म्मु क का खा य क  
थन का न व द या रु य ४॥ ७ ॥ ॐ नमः ८ ॥ श्री च श्री का दे वी  
४३ ॥ न रु न्मदभाह ४॥ थन का न व द या रु य ४॥ ७ ॥ ॥ न  
५३ ॥ रु उ वि थ रु यु या व का खा य क ॥ नमन व ग हा थ  
॥ ७७ ॥ च य खान या हा ८ ॥ या व का खा य क वा न ग रु या







[illegible][illegible]



[illegible]

अथित्वा हाँ श्रव माहादेव व॥ अत्र १८ धाम कुन जा कः  
जययावन के ॥ ४० ॥ हुं मून कृक न यन न रुट स्वाहा ॥  
न जययावन के कूर्म व वल्ल्या यशनी ॥ ४१ ॥ हुं न  
मर्व ली कायन म स्वामी स्यु देव गत्र उ मरवा (भक्त वा  
शी चाम श्रीका ॥ अत्र ३ सिन्धु न जययै न वक् मरुत साथ  
मन क्रिय वल्ल ॥ ४२ ॥ हादू ह क्रियादि च बन खान थ नि  
ना नाय नियाव वरुनि द्वयक थ वरु निव थ व यिन न







६१

हिनिलिया मायवाय च्छदलियारुलसार्थभादि कंददमं हि  
निधिं मंडदिदयहनिमलित्तासि वृष्कायनिर्बलिविसिद्धि चि  
कूंकुजयनयाव अभाकि कान सिधूल गुरुत गवा अमूका  
अमूकिनामसिनामिला गभय नाव छाया सिधाव छा अमूका  
मंकु क सिधून दद्याव अमूकिना गया सकालिका या आः  
आसदिना अलिरुगकि गुरुकारु गनिदु नर्मंकु छुं गवलवा  
वा ॥ मंकु ॥ ७ सिधून जयलर्य कि वरु मिसावह ॥ ॥

ॐ सिमिश्र आला ॐ वदुमा हावा यनरुं मम २ लकु न  
कमहानां हुं रुनेमा हा ला धरु कि हा नय हुं रु हा ला ॥ ॐ  
अलिवनी धु लि धाल बा हा ल गनु अतु वानाय हुं रु नमि  
वस्या हा ॥ २१ शुय नय ना दा दा व जय नय जव द्रु स  
कया दा व नय धव द्रु क व च या य न भा ॥ ॥ ॐ  
गुरु आला ॐ किं लो ना हु वं इत्ये त अमूका कस्य स्याः  
हा ॥ रुं रलिव धव न स व ना य क्काय मिसाया नाम वाय



षवत्राह्णथनय्यावगम्यं उयययः मंगुधाल ॥ १०८ ॥  
थमययाक्रमिसाययकइरा ॥ ॐ ॥ सिद्धिगुरुश्रीह्री  
किरुकेतुल्यहृ ६ ॥ मं ॥ ध ३ ॥ वं ५ ॥ आवाकचाहानामं  
ध ३ ॥ नयसोहाचाहानामं ध ३ ॥ युयितायमकु ॥ ॐ ॥  
ॐ नममाहाकावाय ॐ कचालविकेलावकुं कर २ किलि  
२ माहाकालरुन कौशीचं २ मं हं हं माहानदुष्पनाह्याः  
हा ॥ नवजयलथमकु ध १ ॥ धा ॥ यि किरुयुव ॥ ० ॥

२ ॐ न सिद्धिगुरु ह्री उम्याह्वं किं रुनह्याहा ॥ मिन  
युलाकवाय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ नमसवहृ नम ॥ ॐ वि  
हृ गानीडाधी ॥ अद्यावमिवमाग्रा ॥ यमं आगम ॥ अमृकि  
वसायानी अमाहुं रवीसर्व नृनकुं हृ गमरुकि ४ ॥ ध ३ ॥ वि  
रुकिनमिसायानामकायावहाधमिसावसं मंगु ॥ ॐ ॥  
ॐ नमा आदसगुरुवलवलकेयावकेयावनकेयारिजव  
केनायानकेनामविगयासु प्रियुत्रकमकिमनीरुगनी



उत्तराज्ञा आगम्य ह ॥ हन धन युव हान लभ ॥ २ वा मि  
कास हान, धन वाका सिवा दागी नीसा गीती रू न य द न याः  
रुय मद्, ना हा वाथ लभ ॥ ४ खूजन का ना द, य ना का ना द,  
वा का ना द, या का ना द, य ख द तीम ॥ ५ ॥ ॐ न न नः  
सिंह मंग गया ॥ ॐ न य द विद्या वा न क नाम दा द र्हे य नाः  
न ग्य उत्तर क सक नि भा वी रु ग ती ह्ना द म न वि ॐ ॥ ७ य न वा  
वा ॥ भा न य ग ह्या क यामं ॥ ८ ॥ किं कि न म म न द द

ध ॥ ह ॥ मिखा स धू न दा द यामं ॥ १० ॥ न नि न वि न ख  
न मि द्द रु न क ॥ ह ॥ हि च्छि य मं ॥ १० ॥ कृ हि क य  
गि स न य ॥ ११ ॥ भा न ह्या क यामं ॥ १० ॥ आ नि भा  
हानी आ नी भा हानी आ नी हा ज भू म मा हा द र्हे य नाः  
ला जा य जा स व रु व स थ क्रिया न का क्रिय म रु का का  
क्रिया न ध क्रिय म रु का म वा का सै ना थ न जिं ॥ ११ ॥  
या या का यु सै द य मा न हा ज न न य ति सी ना म ना जा ॥ ११ ॥



३ ॥ मिथुन नली यया न मंग ॥ - ४ ॥ कान मृत्ति कान मृत्ति  
 ५ ॥ ५ ॥ ३ ॥ मिखा स धुन दा द मंग ॥ ६ ॥ मृधी गुत्र श्रु  
 ग्या, माकि सव गुत्र क न आ थ कि, पुत्र य गु न य आ मा की न व क  
 आ ला आ मा कि य न य गु न य आ मा की यान य गु न य आ मा  
 की आ य मा कि वे से क न मि मि, क कि ना ज ग भान ग मा थ स  
 क न ग भ वे क रु नू म नू ॥ ५ ॥ ३ ॥ मि सा या द या गु कि या वा  
 थ व ज द या गु कि या वा, थ व धान दा ना व, क य क मंग ॥

[illegible]



हृद्रु यिन् श्रीगुरु श्रुत्य ॥ धर्मं यत्तु सत्ताय न सत्ताय  
जिने ॥ ५॥ १॥ ॥ ॐ ॥ ॐ गुरु श्रुत्य ॥ नाजाभायुजाभा  
या नय विना नीभा दूयीद वि सिन वा धर्व सावा लाकया  
पिय धर्व ॐ ॐ ॐ देवि द्युहाय रुडा रुडा वे क्रियाद  
नागावी श्रु क न कु वि विक न व न वे हा न पुत्र द व ॥ ०॥  
चउ स वि वे विना गय भारे न था ये या का ॐ भ वि रु की  
गुरु का रु न रु ना मं ग ॐ ग्य ना वा च ॥ ५॥ १॥ धर्मं न

चकन आयन याव धव खान सव याव यिरा व न गुरु  
ना दाय का याव भाव स चू य ॥ १॥ १॥ ॐ कि वा या वा  
ऊचा चा सिं भा सा हा ॥ प्रा त्या क या ॥ ५॥ १॥ धर्मं यत्तु ॥ १॥  
॥ ॐ ॥ ॐ न मा मा थि का ना म या चू न रु चू का जा सा हा  
॥ १॥ निस श्रुय न वा याव को र्वा य क भा वा गा ग्य क  
या मं ग ॥ ५॥ १॥ १॥ १॥ ॐ न मा गुरु श्रुत्य ॥ स वि  
दि स रु य य द नि श्री द्वी क्वा य न उ य वि रु रु रु रु रु रु



[illegible]

ग्या न द हि मा या न स्म क र्ति व ज्ञा गी नी का श्र ग्या . ५  
ने ७ ॥ कार वा या मंगु व जी ग्या दा न १४ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
१ ॐ ॐ ॐ ॐ व ज्ञा त्रि म हा द वी दु गु वा प्र धुं का ये न रुः  
न रु रुट्ट रुट्ट रुट्ट स्या हा ॥ थ म कु ने ॥ ५ न ३ ॥ नी र्व ख  
का या न ना सि या उा स्थान क उा जा कि क उा ऊ य न याः  
उा चू च के श श्री ॥ गा लै या य म के श श्री ॥ हरे ॥ ॐ ॥  
१ ॐ ते न ग ना व य प ख रु न ज न रु ५ ॐ भा ॐ रे व न श्री हा







विमासिद्धिगुत्रुश्राद्धा ॥ धाम ५ लक्षयगै ग्यालस्यसात्रय  
यनक ॥ वसिद्धि ४ ॥ ० ॥ ॐ सुवच्छकवयनलरुटः  
त्याहा ४ ॥ धाम २ मिसावद ४ श्रुनकयकत्र (गउस  
सूया न जयवयं गयकमिसाया नामसिद्धिर्थं धनमाध  
जयलर्यनक ४ वस ॥ ० ॥ श्रावनिवथावनावस्यश्रुन  
च्छविषावजाकथनयिचनिनेकरुमिजाव ॥ इइया न  
लदादया मरु ४ ॥ धाम ७ वृथयानगमय ॥ ० ॥ स्वामि

पुउयंगवृउ श्रागिदमूखान्वर्गकैकीणी नामसुश्राद्धा ॥ धा  
मज सिद्धिगुत्रुवयमिनामसिद्धिर्थनवस ॥ ० ॥ ॐ नमनव  
धविठवचद्वदर्वधसिद्धिगुत्रुश्राद्धा ॥ नाममीमिसानद्र  
सनामर्थनजयलयधाम ३ द्रसथांजजश्राविनवावनक  
दुसंनव ॥ वस ॥ ० ॥ ॐ सावसार्वमहिताविसावभाव  
नियत्याहा ॥ धाम ३ लयजयवयं गानकसावदयमरु  
दयद्वयक ४ ॥ ० ॥ ॐ सर्वसिद्धिमनियनियवयिहा



इंरुटस्याहा ४५ ल १ धनवयाका नवया नैष जयनय  
नानक ॥ ० ॥ वेरुनदयाहा जववसगावव गथं दृक् न  
दस्यं रुय लाजा वसय नाजा व जगमा ह निध ॥ ० ॥ ॐ  
हं भां रे नीकि रे पा म्खी वा शु क न व र हं म्खे ज हं वा यि ना भा  
हि ना जा भा हि यु जा भा हि च ह न व र्थे धन र्थे न्द भा हि ना ग रु  
व किं न ग मा सि हि यु व श्र ग्म ॥ धन ग स्नान चि न सिं धु व  
जयनयं नय च्छु य ना जा यु जा व स मा रु नि ध ॥ ० ॥

ॐ वि मि र वि मि द्रा य स्या हा ॥ ध म कु न का वा य ४ ॥ ॐ स ३  
ॐ स्या हा ॥ ध म कु न द्या व स र्वा न यान क य ध न ना य क  
न ना ला न क ४ ॥ ० ॥ ॐ ऊं दू र्ने दू र्ने व क्क नी स्या हा ४  
॥ का त्या य नी म कु ॥ ० ॥ गी द लि यि सा वि नि र्वा स्या हा ॥ वि  
म वि म कु ॥ ० ॥ ॐ ऊं स स्या हा ॥ म्खे ज य म कु ॥ ० ॥  
ऊं तु व न म्खे वि म कु ॥ ० ॥ ॐ ऊं व न्दी द यी ग वि लि र  
मा व वि र मा क्क नी म म जी य व व द स्या हा ॥ व न्दी म कु ॥ ० ॥



क्रीं क्रीं ॥ हूँ हूँ मन्त्र ॥ क्रीं क्रीं हूँ हूँ ॥ हूँ हूँ यमन्त्र हूँ  
 मन्त्र ॥ ० ॥ ॐ श्रीं क्रीं ॥ क्रीं ॥ खानमन्त्र ॥ ० ॥ ॐ घिसः  
 खाननी घिसनासनी ॐ गङ्गा उवङ्गा गङ्गा ॐ हूँ हूँ ॥ थ  
 मन्त्र नवायु क्रीं मय मिला हाथ नआ दाव वीया क्रीं सयस  
 नाय ॥ ० ॥ ॐ सिद्धि गुप्ता ॥ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ ४ ॥  
 १ कंधव कंध ० ॐ या हा लयाव, श्रुति क्रीं सला १ मल  
 व ॥ ॐ १ थ न लखन याव, उय नय, धाव १ नान के क्रीं

मनमग्नवलमाल ॥ भनवनसाकनियाव, दूधसथ  
 नकं नकं, भनसावेयिव ॥ धनं श्रुतिवाचयो दोयो को  
 धकं ॥ ० ॥ ॐ नमानिवंरुनाय ॥ ॐ इश्री कोमना  
 दिभयं श्रीकृष्णजीकारे नवा र्णा न्नामिदं रुट्खा  
 हा ॥ एकायका श्रीकृष्णजीयनय ॥ ० ॥  
 श्री सकमायकाया कं ॐ श्रीकृष्णजीयनय विदुः  
 नयुय ॥ भयालाङ्गविरय कं कं कासायां कं हाहा कं रु



ट अकिनी नि काव ग ड ड जा हि व व न ग रु ग रु ॥ रा  
उनमरु ॥ ० ॥ क डा हि कं त्या हि कं दि व स वा वा  
पु र्थ क वा पि क व व ला क व आ ग रु क मा रु नु वि र्थ रु  
रु क व वा व ग सी वा रु वि रु (धु) आ स नि या न स र्व वी हि  
न र्द म थ र्नि र्म ल क र्नु र रु न र्नु ड सी आ क्ता य रु मि  
स्या रु ॥ व नु ग रु न रु क रु ति हो ले या ग रु न न डी न दा र्थ  
का र्थ व ग न र्थी ग व न र्थी व र्थ द रु न दा र्थ का थ या ग व

ग व का थ का थ स जा या य मा ल्य व लि थ य व र्थ रु र वा त्या  
य मा ल्य वा न स जा ग व र्थी वा न थ रु न व ग व का थ मि  
सा या कि थ द या ग व का थ थ म कि थ द य मा ली ल ना य  
च या व थ म र्थी ल र वा रु भी स द रु र्थी रु म य ल दा व रु  
या व र व य ल कं वा य थ रु न जि व र व रु ॥ ० ॥ उं रु रु  
शी क लि म रु रु य ना स न जि वि क र्ता य र्थ रु ना भ न रु  
रु पु रु म रु रु य ना भ न ॥ थ म रु न रि रि य न रु रु



कथानमस्तु ॥ आनिष्टादिकलिं ॥ ० ॥ ॐ नमः  
 तिववर्षमयिर्वचर्वरुत २ हा दू ॥ जयलथुधन ७ थ  
 ननलिच्छिय ॥ ० ॥ यिर्वनमनियोगुमनगदू ईसचनन  
 सनथासनहादू ॥ जयनथधन ७ यसनायमनु ॥ ० ॥  
 ॐ यज्यानीयीवर्णकाहानव्वावनदू नयि श्रृं ॥ ॥ त्य  
 दू जयनयावर्णखगानमिसानयवानयायमरु यर्क ॥  
 ॥ ० ॥ ॥ मलानिदु यविकायाउरुनदिगगगायाश्रुपुडा

जिगायासमरुयस्थिकयासहिना॥खननंमालयासकन  
गवंडासन॥मनु॥०॥उंअरुमाहकुमा॥हिग्धस  
थथनकाकलरसहास्यतंद्र्यनद्वदनजिकाभावा  
ननावायकसाभक्तगीढमशयकवायक॥०॥यी  
नवाययाहुलेकसलागीतंदनलानरय॥०॥उंजी  
डूविननरुंइरुटस्याहा॥थमनेनगभवसवास्यचिकू  
नास॥०॥डीडीडीडीडीडीथग्याथावचनाः







नागत्रकगन्धर्वसहानगश्यामीनिकवलिरुक्थयन्त्र  
कर्मकस्यस्यनामश्रीलुक् ३ रुटस्योहा ॥ ५ ॥ केकि  
ममिहाधनीयं श्रीलुक् ॥ ० ॥ मियुनाजायन्का  
मरुयसर्वग्यानायमानं चकवगीसकवृश्वान्नदी  
वनस्यवर्द्धरुटस्योहा ॥ श्रुविचालस्ययमन्त्र ॥ ० ॥  
ॐ हं हं मिष्टरवधरनिबुद्धरवदरुक् कश्चिन्मनीषा  
हा ॥ लागलायमन्त्र ॥ ० ॥ शकासं दूनि श्रियलव

[illegible]



स्वाथ जायतु यम रू स्य चालं न जायत यि वसु ॥ ५३ ॥  
 लि ॥ ० ॥ ॐ देवी दानम निष्ठा न वाय रु द स वा जा गी  
 नी रु उ का का न न र्थ मा हू २ स्वा हा ॥ ५४ ॥ ॐ उ ल टा म  
 ले ॥ ० ॥ ॐ ब्र म न रु द दे व रु म न स रु वा य रु स्वा  
 हा ॥ का या यै म ले ॥ ० ॥ ॐ सि धि ॥ ॐ ना ना न म्र लि  
 ना म्र व २ हू हू २ रु ट स्वा हा ॥ ५५ ॥ न र्व क न उ य ले या  
 व यु वि नी या म्र ॐ स र स्य न ना जा य ल य य क ॥ ० ॥

ॐ हृदययुक् ॐ श्रीगोत्री ३ ॐ श्रीगोत्री ॥ धर्मन  
 स्यात्तु जय नय श्रीयशुयीवरे ॥ ० ॥ ॐ मलययव  
 श्रीगोत्री ३ ॐ श्रीगोत्री ॥ चकन जय नय नलक श्रीय  
 यशुयीवरे ॥ ० ॥ ॥ ११ ॥ मय सविमि नास न यलन  
 यायनधद न दिन ३ धका यावय क न युवावनक  
 मितायि ह्यायजि वष ॥ ० ॥ काक आदि न वाव क  
 नादाव सामवाव क दूय न रसिनया नाहा सव वाग



न तिनडा य (थ) करवयानवि नमि साक च यि ह्वा य जि  
वष ४॥ ० ॥ १२ यमखान, कोना ५ गन्धक, कोना १ रु  
ग्नान, कोना ३ याया २ यवि नरु यया नथ, यायवया,  
वया नै कि अरु नरु यन व ह्वा स ग्गल द्र स खल, ययाध  
या, वया दद्यान रुधकस ॥ ० ॥ १२ य उ स्य केन, अय  
वि, युका, युका, को नित्यान, वृधन वस ॥ ० ॥ १३ यमि  
नने के धूर्य न, येकर मास्ती आवय कोरु न, नहि आवय

न ह्वा नमानय, युत्र कि भ क्रम्य विरुका, हलो मन्त्र ॥  
६०५ यनी वाच ॥ ० ॥



स्वमन्त्रायाम्भवनाय, नामा विचर, ऊँ ह्र क मा धाय ॥

ह्रीं कृ म  
 न्म का च न  
 न र ज य  
 न म वी शी  
 व क्रा ॥  
 मा यान, नि  
 मि नि या द, द्रु  
 गि न, वा सी, न का व स थू न, द्या य या ऊँ ह्र  
 म सि ध म न्म क, व क्रा ॥



१ शान वा क लि वा स (थ द ह स र्वा  
 ल का थ ॥









कैवल्य, यथा च दन, रुद्रयु  
 वास्य, वसुध धनतिन वास्य  
 वातन या य जिन, थज्जुन ॥



हं वा, यसन, रुद्रयु सथासी  
 मिक्कस विविनियाद, आदिकी  
 रुद्रिक्कस, मिनम वायक, ध  
 दनय, सेतु कान कयक, ड  
 न ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

3333

ASRA ARCHIVES